Page I

Sem I, MA

Unit IV, Personality

Topic – Projective test · Discuss the TAT (Thematic Apperception Test).

प्रक्षेपण (Projection) द्वारा व्यक्ति अपने मनोभावों एवं विचारों को दूसरे पर आरोपित करता है। व्यक्ति के सम्मुख जब कोई तटस्थ या अर्थहीन वस्तु या परिस्थिति उपस्थित होती है, तब वह उन वस्तुओं में किसी अर्थपूर्ण वस्तु को देखता है। ऐसा देखने में व्यक्तिगत भिन्नता पाई जाती है अर्थात एक ही तटस्थ परिस्थिति में विभिन्न ~~व्यक्ति~~ व्यक्ति भिन्न-भिन्न वस्तुएँ देखता है। उदाहरण के लिए कभी-कभी हम आकाश में छाए हुए बादलों में मानव आकृति का अनुभव करते हैं। लेकिन जब कोई दूसरा व्यक्ति उसे देखता है तब उसे पेड़ नजर आता है, तीसरे को कोई पशु, चौथे को महल नजर आता है इत्यादि। इसी तरह के अनुभवों के आधार पर मनोवैज्ञानिकों ने तटस्थ अथवा अपरिचित अथवा अस्पष्ट परिस्थितियों को प्रमाणिक सेट बनाकर प्रयोज्यों के समक्ष उपस्थित किया है तथा उनके द्वारा प्रक्षेपित या आरोपित विचारों का विश्लेषण कर उनके व्यक्तित्व का मूल्यांकन करने की विधि विकसित की। ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति जिन सार्थक वस्तुओं को देखता है अथवा जिन विचारों को व्यक्त करता है उनका स्वरूप व्यक्ति के उसके व्यक्तित्व की विशेषताओं से रहता है।

इस विधि द्वारा व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं के प्रेरक तत्वों का भी पता आसानी से लगाया जाता है। इस विधि द्वारा अचेतन प्रवृत्तियों का भी पता चलता है।

मरे का थीमेटिक एपरसेप्शन टेस्ट (Thematic Apperception Test)

इस जाँच में विभिन्न प्रकार की परिस्थितियों में अपरिचित मानव चेहरों के 30 कार्ड हैं जिनमें एक कार्ड सादा भी है। प्रत्येक कार्ड के पीछे पर यह अंकित रहता है कि किस कार्ड का उपयोग पुरुषों, स्त्रियों अथवा दोनों, वयस्कों एवं बच्चों पर होगा। इस प्रकार व्यक्ति के उम्र एवं लिंग के अनुसार 20-20 कार्ड चुन लिए जाते हैं तथा 10-10 कार्डों के द्वारा दो सत्रों में उनके व्यक्तित्व की जाँच की जाती है।

व्यक्तित्व का पारखी व्यक्ति को निर्देश देता है कि उनके सामने कुछ दृश्यों के चित्र क्रमशः एक-एक कर निश्चित समय (2 मिनट) के लिए दिखाए जाएँगे। प्रत्येक चित्र को उस अवधि तक अवलोकन करने के बाद उसे उस चित्र के आधार पर एक छोटी काल्पनिक कहानी लिखनी होगी जिसमें तीन बातों पर प्रकाश पड़े। वर्तमान में चित्र के पात्र क्या कर रहे हैं। चित्र के पात्र के साथ यह स्थिति क्यों उत्पन्न हुई। अंतिम परिणाम क्या होने जा रहा है।

इन निर्देश के बाद बारी-बारी से चुने गए कार्ड दिखाए जाते हैं प्रत्येक कार्ड के संबंध में व्यक्ति द्वारा लिखी गई लघुकथाओं का विश्लेषण कर उनके व्यक्तित्व का अध्ययन किया जाता है। व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत कथनों जिनमें वह कहानी पात्रों के साथ अपना तादात्म्य (identification) स्थापित कर लेता है उसकी कहानी में उसके व्यक्तिगत जीवन की गुप्त धारणाओं की झलक मिलती है कहानी के माध्यम से व्यक्ति अपने उन इच्छाओं, विचारों एवं संवेगों आदि को प्रकट करता है जिन्हें वह अपने सामान्य जीवन में खुलकर व्यक्त करने में हिचकिचाता है। इस प्रकार मरे के अनुसार व्यक्तियों के इन कहानियों द्वारा उनके प्रभावी प्रेरकों, संवेग, भावुकता एवं मानसिक संघर्ष स्थिति का पता चलता है।

मूल्यांकन —

(1) सैद्धान्तिक दृष्टिकोण से यह परीक्षण सफल और उपयोगी प्रमाणित हुआ है

(2) TAT स्कूल एवं कॉलेजों के छात्रों के व्यक्तित्व एवं शैक्षणिक योग्यता संबंधी भविष्यवाणी करने में भी एक उपयोगी परीक्षण प्रमाणित हुआ है।

अतः निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते हैं कि मनोवैज्ञानिक आधार पर यह परीक्षण दूसरे वस्तुनिष्ठ परीक्षणों के तुलना में उतना अच्छा नहीं होते हुए भी नैदानिक उपयोग की दृष्टिकोण से एक उपयोगी परीक्षण है।

Kumar Patil
Maharaja College, Arrah